

## Blog

Home > धर्म और त्यौहार > aarti kunj bihari ki lyrics pdf आरती कुंज बिहारी की पीडीएफ Downr

## aarti kunj bihari ki lyrics pdf आरती कुंज बिहारी की पीडीएफ Download

Last Updated on April 25, 2023 by [arif khan](#)

aarti kunj bihari ki lyrics pdf -आरती कुंजबिहारी की लिरिक्स हिंदी PDF

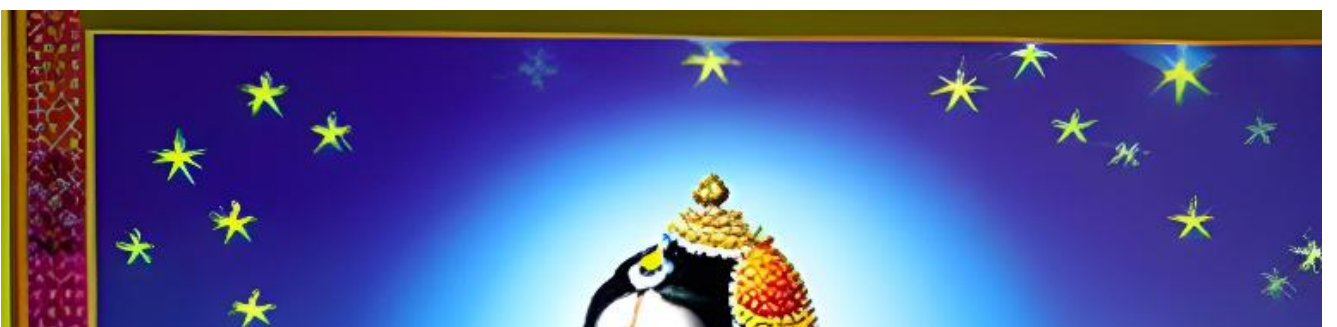
Download भगवान् श्री कृष्ण के बारे मे आप अच्छी तरह से जानते ही हैं। आपको

बतादें [भगवान् श्री कृष्ण](#) को विष्णु का 8 वां अवतार माना जाता है। श्री कृष्ण जन्माष्टमी

हिंदू कैलेंडर के अनुसार हर साल भाद्रपद महीने की कृष्ण पक्ष अष्टमी के दिन मनाया

जाता है । और यह अगस्त से दिसंबर महिने के अंदर आता है। यदि आप कृष्ण जी के भगत हैं तो आपको इसके बारे मे जानकारी होगी ही । और भारत के अंदर तो भगवान कृष्ण के अनेक मंदिर बने हुए हैं। जंहा पर आरती की जाती है।

श्री कृष्ण के जन्म की कहानी के बारे मे बात करें तो आपको बता दें कि श्री कृष्ण का जन्म मथुरा में हुआ था। मथुरा उत्तर प्रदेश, भारत में स्थित है। उनके माता-पिता का नाम वसुदेव और देवकी था । कहा जाता है कि उस समय राजा कंस हुआ करता था । और उसकी बहन देवकी थी। कंस को किसी ने बताया कि उसका काल या उसको मारने वाला उसकी बहन देवकी की संतान होगा । और इसकी वजह से कंस काफी अधिक भयभीत हो गया । और उसने अपनी बहन देवकी को और उसके पति वासुदेव को जेल के अंदर बंद कर दिया । और उसके बाद उन दोनों से जो भी संतान पैदा होती थी। वह उसको मार देता था । कहा जाता है कि देवकी की कृष्ण आठवीं संतान था । और कहा जाता है कि जब कृष्ण पैदा हुए तो उस समय रात का वक्त था । और जेल के ताले लगे हुए थे वे सारे ताले अपने आप ही खुल गए और पहरेदार सो गए । उसके बाद जब बच्चे का जन्म हुआ तो वसुदेव डर गए और उन्होंने अपने बच्चे को अपने एक मित्र को सौंप दिया ताकि वह उस बच्चे को नंद के पास ले जा सके । और उसने ऐसा ही किया । कहा जाता है कि उसी समय नंद के घर पर बैटी का जन्म हुआ ।





वसुदेव के एक मित्र ने उस नंद की बेटी को वसुदेव को लाकर दे दिया । फिर क्या था कि जब कंस को पता चला तो कंस ने उस लड़की को मार दिया । और उसे लगा कि उसने अपने पैदा होने वाले काल को नष्ट कर दिया । और कहा जाता है कि कंस निश्चित होकर कई साल तक राज करता रहा लेकिन बाद में उसे यह पता चल गया कि उसका काल अभी जिंदा है। वहीं दूसरी कहानियों के अंदर यह उल्लेख मिलता है कि कंस ने जब उस लड़की को मारा तो आकाशवाणी हुई कि उसका काल अभी भी जिंदा है वह मरा नहीं है।

और जब यह बात कंस ने सुनी तो वह भयभीत हो गया और उसको डर लगने लग गया ।

## Table of Contents



1. aarti kunj bihari ki lyrics pdf आरती कुंजबिहारी की लिरिक्स हिंदी PDF Download
2. आरती कुंज बिहारी की किसने लिखी थी ।
3. आरती कुंज बिहारी की को कब चला सकते हैं ?
4. कृष्ण जी को कुंज बिहारी क्यों कहा जाता है ?

## **aarti kunj bihari ki lyrics pdf आरती कुंजबिहारी की लिरिक्स हिंदी PDF Download**

aarti kunj bihari ki lyrics pdf आरती कुंज बिहारी की पीडीएफ यदि आप डाउनलोड करना चाहते हैं तो हम आपको यहां पर यह फाइल दे रहे हैं आप आसानी से डाउनलोड कर सकते हैं।

“आरती कुंज बिहारी की” श्री कृष्णा जी की आरती

आरती कुंज बिहारी की, श्री गिरिधर कृष्ण मुरारी की ॥

आरती कुंज बिहारी की, श्री गिरिधर कृष्ण मुरारी की ॥

गले में बैजंतीमाला, बजावै मुरली मधुर बाला,

श्रवण में कुण्डल झलकाला, नंद के आनंद नंदलाला,

गगन सम अंग कांति काली, राधिका चमक रही आली,

लतन में ठाढ़े बनमाली, भ्रमर सी अलक, कस्तूरी तिलक,

चंद्र – सी झलक, ललित छवि स्यामा प्यारी की ॥

आरती कुंज बिहारी की, श्री गिरिधर कृष्ण मुरारी की ॥

कनकमय मोर- मुकुट बिलसै, देवता दरसनको तरसै,

गगन सों सुमन रासि बरसै, बजे मुरचंग, मधुर मिरदंग,

ग्वालिन संग, अतुल रति गोप कुमारी की ॥

आरती कुंज बिहारी की, श्री गिरिधर कृष्ण मुरारी की ॥

जहां ते प्रकट भई गंगा, सकल- मल- हारिणि श्रीगंगा,

स्मरन ते होत मोह- भंगा, बसी सिव सीस, जटाके बीच,

हरै अघ कीच, चरन छबि श्री बनवारी की ॥

आरती कुंज बिहारी की, श्री गिरिधर कृष्ण मुरारी की ॥

चमकती उज्ज्वल तट रेनू, बज रही बृन्दाबन बेनू,

चहुं दिसि गोपि ग्वाल धेनू, हंसत मृदु मंद, चांदनी चंद,

कटत भव-फंद, टेर सुनु दीन दुखारी की ॥

आरती कुंज बिहारी की, श्री गिरिधर कृष्ण मुरारी की ॥

आरती कुंज बिहारी की, श्री गिरिधर कृष्ण मुरारी की ॥

Aarti Kunj Bihari Ki, Shree Giridhar Krishna Murari Ki ॥

Aarti Kunj Bihari Ki, Shree Giridhar Krishna Murari Ki ॥

Gale Mein Baijantimala, Bajaavai Murali Madhur Bala,

Shravan Mein Kundal Jhalakala, Nand Ke Aanand Nandalala,

Gagan Sam Ang Kanti Kalee, Radhika Chamak Rahi Aalee,

Latan Mein Thadhe Banamalee, Bhramar See Alak,

Kasturi Tilak, Chandra – See Jhalak, Lalit Chhavi Syama Pyaree Ki ||

Aarti Kunj Bihari Ki, Shree Giridhar Krishna Murari Ki ||

Kanakamay Mor- Mukut Bilasai, Devta Darasanako Tarasain,

Gagan Son Suman Raasi Barasai, Baje Murachang, Madhur Miradang,

Gvaalin Sang, Atul Rati Gop Kumaree Ki ||

Aarti Kunj Bihari Ki, Shree Giridhar Krishna Murari Ki ||

Jahaan Te Prakat Bhee Ganga, Sakal- Mal- Harini Shreeganga,

Smaran Te Hot Moh- Bhanga, Basee Siv Sees, Jataake Beech,

Harai Agh Kich, Charan Chhabi Shree Banavaree Ki ||

Aarti Kunj Bihari Ki, Shree Giridhar Krishna Murari Ki ||

Chamakatee Ujjval Tat Renoo, Baj Rahee Brindaban Benoo,

Chahun Disi Gopi Gvaal Dhenoo, Hansat Mrdu Mand,

Chandanee Chand, Katat Bhav-Phand, Ter Sunu Deen Dukhaaree Ki ||

Aarti Kunj Bihari Ki, Shree Giridhar Krishna Murari Ki ||

Aarti Kunj Bihari Ki, Shree Giridhar Krishna Murari Ki ||

**आरती कुंज बिहारी की किसने लिखी थी ।**





आरती कुंजबिहारी की का लेखक स्वतंत्र भारत के संत श्री जयदेव थे। वे एक महान कवि थे जो 12वीं शताब्दी में जीवन बिताए थे। उन्होंने गीत गोविन्द के लिए जाने जाते हैं, जो सबसे अधिक जाने जाते हैं। आरती कुंजबिहारी की भगवान श्री कृष्ण को समर्पित है और यह आरती भगवान श्री कृष्ण की पूजा और भक्ति का अभिनंदन करती है।

**आरती कुंज बिहारी की को कब चला सकते हैं ?**



दोस्तों यदि आप शाम को पूजा पाठ करते हैं तो उसके अंदर आप चला सकते हैं या फिर

आप अपने मुख से भी बोल सकते हैं। यह काफी सुंदर और मन को मोहने वाली आरती होती है। जिसको आप कर सकते हैं। आपके दिल और दिमाग को सकून मिलेगा ।

## कृष्ण जी को कुंज बिहारी क्यों कहा जाता है ?



कुंज का अर्थ होता है झील से जो श्री कृष्ण को बहुत पसंद थी। कुंज बिहारी का अर्थ ये भी है कि वे कुंज नामक गली में विहार करने थे।

तीन जगह से टेढ़े हैं.होठ,कमर और पैर इसकी वजह से उनको त्रिभुगों के नाम से भी जाना जाता है। इसके बारे में आपको पता होना चाहिए । असल में कूँज बिहारी क्यों कहा जाता है ? इसके बारे में भी एक दिलचस्प कहानी है। इस कहानी के अनुसार जब भगवान का जन्म हुआ तो नंद की दो बहनें थीं जिनका नाम नंदा और सुनंदा । जब भगवान को जन्म हुए कुछ समय हो गया तो सुनंदा ने कहा कि भाभी आपको बालक को दूध पीलाना चाहिए । तो यशोदा ने कहा हां बहन तुम ठीक कह रही हो । और उसके बाद सुनंदा ने कहा कि मैं बाहर खड़ी हो जाती हूँ और किसी को अंदर नहीं आने देती हूँ । और आप दूध पीला देना ।

उसके बाद यशोदा ने भगवान को अपने हाथों में उठाना चाहा लेकिन भगवान इतने अधिक कोमल थे कि यशोदा ने सोचा कि मेरी उंगली इनको चुभेगी तो मैं ऐसे ही इनको दूध पिला देती हूँ।। उसके बाद यशोदा ने भगवान को उपर से ही सोते हुए दूध पिला लिया ।उसके बाद भगवान ने एक घूंट पिया , दो घूंट पिया जैसे ही तीसरा घूंट पिया तो सुनंदा ने देख लिया और कहा भाभी टेढ़े होकर दूध मत पीलाओ । यह जितनी घूंट दूध पीयेगा उतनी जगह से टेढ़ा हो जाएगा ।और तब तक भगवान तीन घूंट दूध पी चुके थे ।

तीन घूंट दूध पीने के कारण कृष्ण तीन जगह से टेढ़े हो गए अर्थात “बाँके” और भगवान के जन्म कुंडली का नाम “बिहारी” था । इस तरह से उसके बाद भगवान को बाँके बिहारी के नाम से जाना जाने लगा । आप इस बात को समझ सकते हैं। और यही आपके लिए सही होगा ।

इस तरह से दोस्तों इस लेख के अंदर हमने कूँज बिहारी की आरती के बारे में आपको

बतादिया है। यदि आप आरती को डाउनलोड करना चाहते हैं तो इसके लिए उपर डाउनलोड लिंक दिया गया है आप वहां से आरती को डाउनलोड कर सकते हैं आसानी से डाउनलोड हो जाएगी ।

यदि आपका कोई सवाल है तो आप हमें कमेंट करके बता सकते हैं हम आपके सवाल का जवाब देने की कोशिश करेंगे । आप इस बात को समझ सकते हैं और उम्मीद करते हैं कि आपको सब कुछ अच्छा लगा होगा ।

---

[← Previous Post](#)

साक्षी नाम की लड़कियां कैसी होती हैं ? गुण  
और धर्म के बारे में जानकारी

---

[> YOU MIGHT ALSO LIKE](#)

## गरूड़ पुराण अध्याय 5



## गरुड़ पुराण अध्याय 5 garud puran adhyay 5 नके से आए लोगों की पहचान

🕒 March 19, 2023



## भाई दूज व्रत कथा bhaee dooj vrat katha अरती विधी

🕒 July 24, 2020





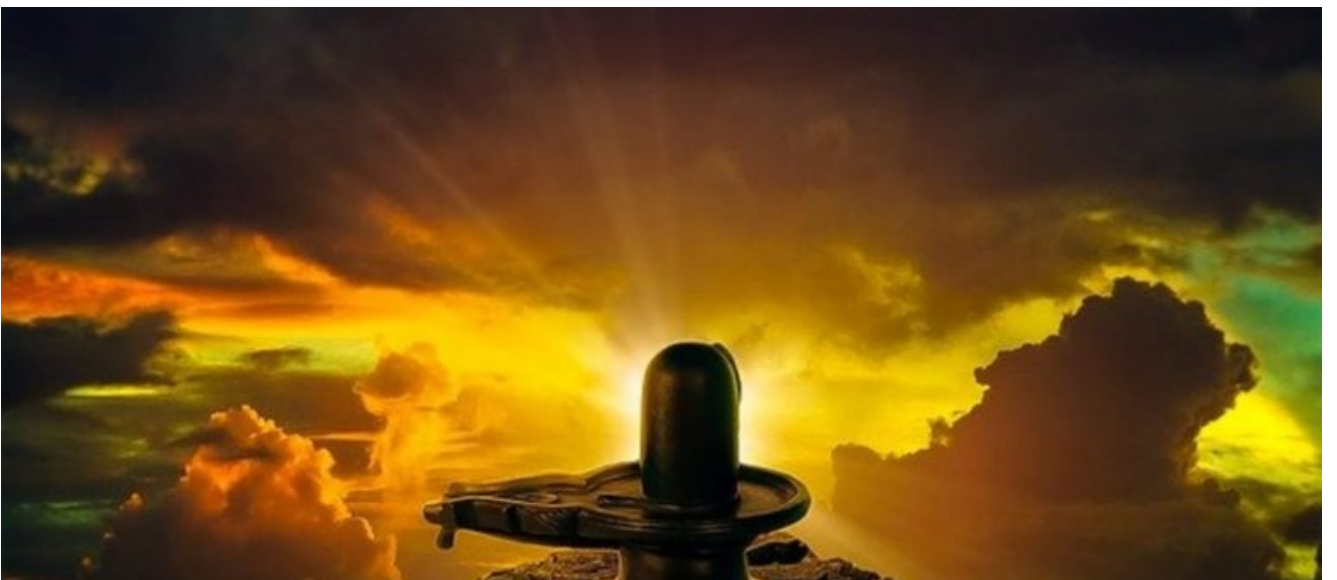
काले सांप को मारने से यह नुकसान होते हैं **kale saap ko marne ke nuksan**

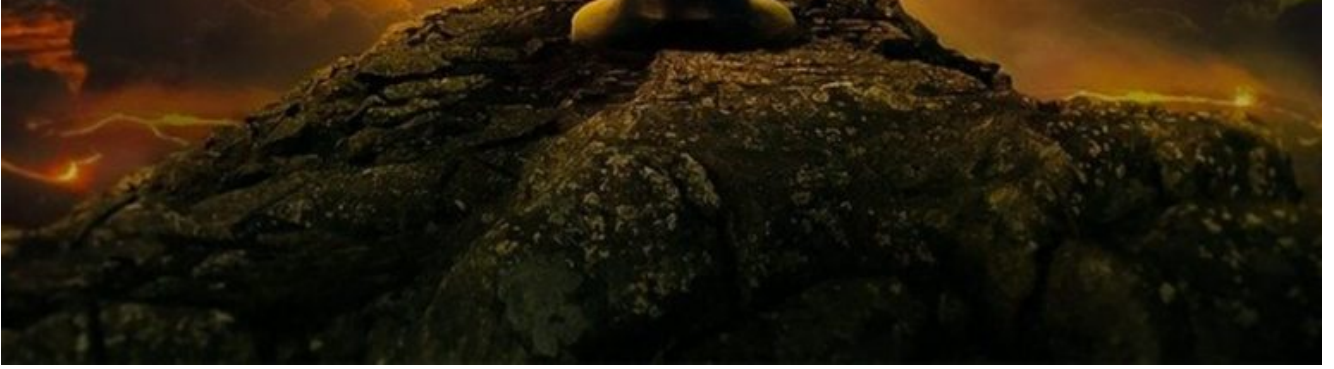
🕒 September 23, 2022



महिलाओं को शंख क्यों नहीं बजाना चाहिए नुकसान

🕒 December 3, 2019





## [somvar ki vrat ki katha , पूजा विधि और व्रत करने के नियम](#)

🕒 August 5, 2020



## [शनिवार को सांप देखने का अर्थ और मतलब के बारे मे जानें](#)

🕒 January 24, 2022

### Leave a Reply

Your comment here...

Save my name, email, and website in this browser for the next time I comment.

POST COMMENT



**Arif Khan**

हैलो फ्रेंड मेरा नाम arif khan है और मुझे लिखना सबसे अधिक पसंद है। इस ब्लॉग पर मैं अपने विचार शैयर करता हूं। यदि आपको यह ब्लॉग अच्छा लगता है तो कमेंट करें और अपने फ्रेंड के साथ शैयर करें। मैंने आज से लगभग 10 साल पहले लिखना शुरू किया था। अब रोजाना लिखता रहता हूं। असल मे मैं अधिकतर जनरल विषयों पर लिखना पसंद करता हूं। और अधिकतर न्यूज और सामान्य विषयों के बारे मे लिखता हूं।

**Categories**



bike

---

business

---

entertainment

---

ghost

---

health

---

history news

---

ladkiyon ka number

---

love and relationship

---

mind memory

---

motivational hindi

---

online job tip

---

psychology

---

Stock market

---

study

---

success story

---

technology and net

---

Uncategorized

---

कुत्ते का नाम

---

~ ~ ~

खेती बाड़ी

---

धर्म और त्यौहार

---

पशुओ मे रोग

---

बच्चों के नाम

---

मंत्र और टोटके

---

विज्ञान

---

शकुन अपशकुन

---

शिक्षाप्रद कहानियां

---

सपनो का अर्थ

---

सरकारी योजनाएं

---

हिंदी व्याकरण

---

## Recent Comments

चोर को पकड़ने के 11 टोटके और मंत्र

---

घर में छिपकली का बोलना कैसा होता है ? शुभ या अशुभ जानें

---

arif khan सपने मे मेंढ़क देखने के अलग अलग मतलब क्या होता है ?

---

arif khan लड़की को घर से भगाने से पहले जानले यह 8 जरूरी बातें

---

हर्षिता सपने मे मेंढ़क देखने के अलग अलग मतलब क्या होता है ?

---

## Recent Posts

aarti kunj bihari ki lyrics pdf आरती कुंज बिहारी की पीडीएफ Download

सपने मे सफेद मछली देखने के 21 अर्थ और मतलब के बारे मे जानकारी

साक्षी नाम की लड़कियां कैसी होती हैं ? गुण और धर्म के बारे मे जानकारी

नीलम नाम की लड़कियां कैसी होती हैं ? इसके गुण के बारे मे जानकारी

बबली नाम की लड़कियां कैसी होती हैं ? गुण और स्वाभाव के बारे मे जानकारी

अपना ई मेल डालें और पोस्ट मेल पर पाएं **Subscriptions** मे लकी विनर चुना चाएगा

SUBSCRIBE

FeedBurner

## Copyrights Info

[about us](#)

[contact us](#)

[DISCLAIMER](#)

[DMCA removal request and policy](#)

[Privacy Policy](#)

Do Not Copy Paste

यदि कोई इस ब्लॉग के किसी भी लेख को कॉपी करता है तो नुकसान का जिम्मेदार खुद होगा। इस ब्लॉग के किसी भी लेख को बिना अनुमति के कहीं पर भी कॉपी पेस्ट करना अपराध है।

[Blogarama - Blog Directory](#)

